an>

Title: Need to undertake rejuvenation of canals in Bihar to facilitate irrigation of agricultural fields in Bihar.

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल) : कोशी में कुशहा बांध टूटने के कारण लाखों हेक्टेयर कृषि की भूमि में बालू (रेत) जमा हो गया है, जिससे कृषि कार्य नहीं हो पा रहा है, इसके लिए बिहार सरकार के पास आज तक कोई योजना नहीं है। पूर्व की केन्द्र सरकार (यूपीए-2) ने साढ़े सात सौ करोड़ रूपये नहरों के जीर्णोद्धार के लिए दिये थे पर आज तक नहरों का जीर्णोद्धार नहीं हो पाया है।

2008 में कोशी क्षेत्र के कुशहा बांध टूटने से बड़े पैमाने पर जान-माल की हानि हुई थी, कई अन्य पुल टूट गए, जिसमें अधिकतर पुल आज तक डायवरशन पर चल रहे हैं, जिससे उस क्षेत्र की लाखों जनता की रोजी-रोजगार, जीवन-यापन बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। इन पुलों के निर्माण के लिए पूर्व की केन्द्र सरकार (यूपीए-2) ने राशि भी दी थी, पर आज तक उप पुलों का निर्माण नहीं हुआ!

अतः मैं सरकार का ध्यान व्यापक जनहित से जुड़े इस मुद्दे की ओर आकर्षित कराना चाहती हूं।